

यूपी को एक ड्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में यूपीआईटेक्स देगा योगदान

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 25 से 29 जनवरी तक पांच दिवसीय होगा यूपीआईटेक्स एक्सपो-2024

कैनविज टाइम्स संवाददाता



यूपीआईटेक्स द्वितीय संस्करण के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 25 से 29 जनवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य गज्जमर एक्सपो और फैशन स्ट्रीट एंड फैन्चर सोर ऊर्जा और आयोगोंनाम नाम में प्रवक्षय को दी।

पीएचडी छात्रों में यूपीनेडा के अधिकारियों एवं उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्यमियों के साथ एक बैठक और उक्त बाद एक इंटरव्यू सत्र का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य गज्जमर एक्सपो और विनियोग को गति प्रदान करना और यूपी को सबसे अग्रणी गज्ज के रूप में प्रतुत करना है।

कहा कि यूपी निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य है और आगामी कार्यक्रम यूपीआईटेक्स यूपी को एक ड्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में भी योगदान देता। आगे कहा कि प्रदर्शकों और आगंतुकों की भागीदारी के माध्यम

यूपीआईटेक्स एमएसएम्स मंत्रालय, भारत सरकार अवसंरचना व औद्योगिक विकास विभाग आईआईडी इंटरव्यू, यूपी, उत्तर प्रदेश सलक, खाड़ी ग्राम ऊर्जा, जैकटीयों, नावार्ड, सिड्डों, एसवीआई भागी तो रहे हैं। अनुबन्ध श्रीवरत्न ब्रिंजीयों निदेशक उत्तर प्रदेश चैटर प्रेसर एक्सपो, आर्चिविल्ड, लाइस्ट्राइल एंड चैटर प्रेसर एक्सपो और फैशन स्ट्रीट एंड फैन्चर सोर ऊर्जा और आयोगोंनाम आदि एक्सपो में सम्पन्न एक विशेष मंडप होगा।

उहोने यह भी उल्लेख किया कि यूपीआईटेक्स गज्ज के व्यापार और व्याजियों को बढ़ाने के लिए तुर्की, थाईलैंड, इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, छत्तीसगढ़ से 300 से अधिक घरेलू और विदेशी प्रदर्शकों की व्यापक भागीदारी का गवाह बनेगा। आगे कहा कि प्रदर्शकों और आगंतुकों की भागीदारी के माध्यम

में यूपीआईटेक्स उत्तरी भारत में सबसे बड़े प्रस्तुतियों में से एक होगा, जिसमें यूपी फूड एंड फार्म, आर्चिविल्ड, लाइस्ट्राइल एंड चैटर प्रेसर एक्सपो और फैशन स्ट्रीट एंड फैन्चर सोर ऊर्जा और आयोगोंनाम आदि एक्सपो में सम्पन्न एक विशेष मंडप होगा।

उहोने यह भी उल्लेख किया कि यूपीआईटेक्स

उप्र में सिहरन भरी सर्दी बरकरार, पड़ेगा पाला

लखनऊ। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के साथ पहुंचा हवाओं के चलने से उत्तर प्रदेश में सर्दी हवाएं बरबार आ रही हैं। जिससे न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चल रहा है और भीषण गलन पड़ रही है। मौसम विभाग का कहाना है कि आगामी तीन दिनों तक सिहरन भरी सर्दी बरकरार रहेगी। इसके साथ ही पाला पड़ने की भी संभावना है। ऐसे में किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि फसलों पर पानी देकर नमी बरकरार रहें।

मौसम विज्ञानिक डॉ. एस.एस. सुनील पाण्डेय ने सोमवार को बताया कि मौसम पूर्वानुमान है कि अभी दो दिन तक उत्तर प्रदेश में सिहरन भरी सर्दी हवाएं चलती रहेंगी। जिससे गलन में फिलहाल करी होती नहीं दिख रही है। हालांकि विनाम्र धूप निकलती रहती ज्यादा असरदायक नहीं होती है। बंगल की खाड़ी में मौसमी हलचल बना हुआ है जिससे मध्य प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में यूपीटेक्स यूपी ने बताया जाएगा। इस अवसर पर सुरीय गोयनका और अदित्य झुनझुनवाला नहीं होता है। और किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों पर रासायनिक दवाओं का छिड़काव करें और नमी बरकरार रखने के लिए सिंचाई करते रहें।

मौसम विज्ञानिक डॉ. एस.एस. सुनील पाण्डेय ने सोमवार को बताया कि यूपीआईटेक्स

विकसित भारत संकल्प यात्रा ब्लॉक प्रमुख ने किया सड़क का उद्घाटन



(विधेशी) ने मौजूद ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। विधेशी कुसमौर में 180 मीटर इंटरलॉकिंग रोड का उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख और प्रधानमंत्री शुक्रवार द्वारा पूरी बाजारपें, मंडल महामंत्री अंजनी शुक्राता, एसपी मोर्चा के जिला मंत्री हंसराज गवत, प्रधान प्रतिनिधि दीपक कुमार, प्रधान बरवलिया त्रिवेणी प्रसाद, बीड़ीसी मनोज कश्यप व प्रभु दयाल, दीपदेव अवसरी, ब्लॉक प्रमुख और प्रकाश शुक्रत सहित भारी संख्या में ग्रामीण उमीद रहे।

पीड़िता को पुलिस व एसीपी ने टरकाया समाधान दिवस में डीएम के आदेश के बाद एक सपाह बाद दर्ज किया मुकदमा

मौहनलालगंज। लखनऊ, विकसित भारत भवान संकल्प यात्रा कार्यक्रम के तहत ब्लॉक प्रमुख मौहनलालगंज ने सरकार द्वारा बताया जाने वाली योजनाओं के विषय में लोगों को जानकारी दी, जिसमें भाजपा पथाधिकारियों सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सोमवार को निगोहां क्षेत्र के बरवलिया और कुश्मारी गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली गई जिसमें योजनाओं के बाबत लोगों को जानकारी दी जाएगी। उत्तर प्रदेश में कोहरा और घासा होगा। एसीपी स्थिति में पाला पड़ने की अधिक संभावना है और किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों पर रासायनिक दवाओं का छिड़काव करें और नमी बरकरार रखने के लिए सिंचाई करते रहें।

सपा का प्रतिनिधि मंडल हत्याकांड के पीड़ितों से मिलने 17 जनवरी को जायेगा फतेहपुर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशनानुसार पार्टी का एक प्रतिनिधि मण्डल 17 जनवरी को जपान फतेहपुर जायेगा। प्रतिनिधि मण्डल जिसमें हुए हल्काओं मामले से पीड़ितोंने से मिलकर क्षेत्रीय अधिकारी विद्युत के सदर्क जारी कर रखा है। इंसेप्टर अनुज कुमार तिवारी के मुताबिक केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

जरूरतमंदों में बांटे गर्म कपड़े व कंबल

लखनऊ। अदिति वर्ल्ड विजन चैटिंगब्लॉड ट्रस्ट की ओर से सोमवार को इंजीनियरिंग कॉलेज चौके पर आसपास रहने वाले जरूरतमंदों को गर्म कपड़े व कंबल वितरित किए गए। ट्रस्ट की अध्यक्ष न्यूपुर बनर्जी ने बताया कि ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा जागरूकता अधिकार्यालय चौके पर जलने वाले लोगों को गर्म कपड़े दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के लिए गर्म धूप नहीं दिख रहा है। सोमवार को महिला वितरित कर रखा जाएगा।

अक्षत वितरण का चल रहा महाअभियान

लखनऊ। श्याम बिहार बस्सी, हनुमंतपुर वस्ती के शेव नगर उत्तर भवान संवाद सेवक बंधुओं द्वारा अक्षत वितरण महाअभियान चलाया जा रहा है, जिसमें संयोजक सजीत तिवारी, सुनुन्द्र पाठेय, श्याम बलिया, रामप्रसाद शर्मा, प्रदीप, अनुल, नीरज, विवेक, निर्बिल, अशोक और निर्मल ने बताया जाता है। उन्होंने निर्मल को गर्म कपड़े दिए जाएंगे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

मौहनलालगंज लखनऊ, मौहनलालगंज क्षेत्र के अंतर्गत अज्ञात वाहन की टक्कर के से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर हाँसी पुलिस ने शेव को बजे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीण लोगों ने अपने आवास पर मकर संकाति के अवसर पर जलस्तरमंदों के बीच कंबल व जैकेट वितरण किया। इस मौके पर रामकीर्तन वर्मा ने बताया कि ट्रस्ट के लिए गर्म धूप नहीं दिख रहा है।

व्यापरियों ने किया तहरी भोज का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के हॉलीवॉल को लेकर संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के पदविकारी एवं व्यापारियोंने पुरुषोंने से मिलकर प्रतिनिधि मण्डल संस्थान देगा। उक्त दोनों नैजवान अपनी मां-बाप की इकलौती संतान थे।

वैश्य समाज सेवा उत्तर प्रदेश एवं हिंदू महिला मंडल ने किया विशाल खिचड़ी भोज का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। वैश्य समाज सेवा उत्तर प्रदेश एवं हिंदू महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को मकर संकाति के अवसर पर विशाल खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। जिसमें देवी देवता के लिए अलाल बालों ने खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। वहीं आयोजकों के मुताबिक कड़ाके की ठंड को देखते हुए लोगों के लिए अलाल बालों ने खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। वहीं आयोजकों के मुताबिक कड़ाके की पूर्व संचय पर बलरामपुर हॉस्पिटल के मेन गेट पर तहरी भोज का वितरण किया गया।

यूपी को एक ड्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में ही उनको सुरुदेखी की जानकारी दी जाएगी। यूपीआईटेक्स द्वितीय संस्करण के बारे में जानकारी दी जाएगी। यूपीआईटेक्स एक्सपो-2024 की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

यूपीआईटेक्स एक्सपो-2024 की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। यूपीआईटेक्स एक्सपो-2024 की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

राज्यपाल ने एसजीपीजीआईएमएस की नैक ग

महाभारत के उद्योग पर्व में आया है- गुणा दश स्मानशीलं भजन्ते
बलं रूपं स्वरं वर्णं प्रशुद्धिरुपं। स्पर्शश्च गंधश्च विशुद्धता च श्रीरू
सौकुमार्यं प्रवराश्च नार्यरूपं एसा ही स्पृत्यर्थसारं में लिखा है।

बलं रूपं स्वर वर्णं प्रशुद्धिरुः स्पर्शश्च गंधश्च विशुद्धता च श्रीरु
सौकुमार्यं प्रवराश्च नार्थरुः एसा ही स्मृत्यर्थसार में लिखा है।
तात्पर्य यह है कि स्नान से बल, रूप, स्वर, वर्ण की सुद्धि, माधुर्य, सुगंध,
विशुद्धता, श्री सौकुमार्य और सुन्दर स्त्री प्राप्त होती है। धर्मशास्त्रों में दो
प्रकार के स्नान वर्णित हैं। जल के साथ किया गया स्नान मुख्य और
जलहीन स्नान गौण माना गया है। इनके भी तीन भेद हैं। प्रतिदिन किया
गया स्नान नित्य, विशेष अवसरों पर किया गया स्नान नैमित्तिक और किसी
फल की इच्छा से किया जाने वाला स्नान काम्य कहलाता है। मनुसृति
और बोधायनसूत्र के अनुसार सभी लोगों को प्रतिदिन सिर से पांव तक
स्नान करना चाहिए। शरीर से निरंतर गन्धी निकलती रहती है इसलिए
प्रातरु स्नान कर स्वच्छ हो जाना चाहिए। कुछ जातियों के लिए मंत्र जाप
करते हुए स्नान करने के निर्देश हैं। नित्य स्नान शीतल जल से ही किया
जाना चाहिए। साधारणतरु गर्म जल का प्रयोग वर्जित है। कुछ वर्णों को
दो बार, ब्रह्मचारियों को एक बार और कुछ को तीन बार स्नान करना
चाहिए। रात्रि स्नान वर्जित है। ग्रहण, विवाह, जन्म-मरण या व्रत के समय
रात्रि स्नान किया जा सकता है। धर्मग्रंथों के अनुसार गर्म जल या दूसरे
के लिए रखे जल में स्नान करने से सुन्दर फल नहीं मिलता। नैमित्तिक
और काम्य स्नान प्रत्येक दशा में शीतल जल से ही किया जाता है। स्नान
के लिए नदियों, वापियों, झीलों, गहरे कुण्डों और पर्वत प्रपातों के
स्वाभाविक जल का उपयोग किया जाना चाहिए। कम से कम 8000 धनुष
लम्बाई की नदी मानी गई है। इससे छोटे नदी नाले गर्त कहे गए हैं।
श्रावण-भादो में नदियां रजस्वला होती हैं। अतरु उनमें स्नान वर्जित है
मगर ऐसी नदियों में स्नान किया जा सकता है जो समुद्र में मिलती है।
उपाकर्म, उत्सर्ग, तथा ग्रहण के समय इन नदियों में भी स्नान करना
चाहिए। विष्णु धर्म सूत्र के अनुसार पात्र-जल, कुण्ड-जल, प्रपात-जल,
नदी-जल, भद्र लोगों द्वारा प्राचीनकाल से प्रयुक्त जल और गंगा जल
क्रमशः अच्छा होता है। विभिन्न सूत्रों, स्मृतियों एवं निबंधों में स्नान
विधियों पर प्रकाश डाला गया है। प्रातः एवं मध्याह्न स्नान की विधि समान
है। कात्यायन के स्नानसूत्र में स्नानविधि का विस्तार से वर्णन किया गया
है। स्नान के उपरांत भीगे कपड़े में ही देवताओं और पितरों का तर्पण
करना चाहिए। यदि कोई पूरा स्नान न करना चाहे तो उसे जल का
अभिमंत्रण आचमन, मार्जन और अद्यमर्षण करना चाहिए। जल के भीतर
मल-मूत्र त्याग नहीं करना चाहिए। शरीर नहीं रगड़ना चाहिए। जल को पैरों
से नहीं पीटना चाहिए। प्राचीनकाल में स्नान के लिए विविध मिट्टी का
प्रयोग किया जाता था। एक ग्रंथ में बताया गया है कि आठ अंगुल नीचे
की मिट्टी का प्रयोग किया जाना चाहिए। ब्रह्मचारियों को क्रीड़ा-कोतुक
के साथ स्नान वर्जित है। शंख-स्मृति, अग्नि-पुराण तथा कतिपय अन्य
ग्रंथों में जल स्नान छह श्रेणियों में विभक्त है- नित्य, नैमित्तिक, काम्य,
क्रियांग, मलापकर्षण (अभ्यंग) और क्रिया स्नान। दैनिक नित्य स्नान की
चर्चा हो चुकी है। पुत्रोत्पत्ति, यज्ञान्त, मरण, ग्रहण, रजस्वला स्पर्श, शब-
चाण्डाल स्पर्श, उल्टी, दस से ज्यादा बार शौच, दुरुस्वप्न देखने, संभोग
के बाद, बाल कटाने पर, श्मशान जाने पर, मानव अस्थि छू लेने पर, कुत्ता
काटने पर या कुछ पक्षियों के छू जाने पर स्नान किया जाना चाहिए। उक्त
सभी स्नान नैमित्तिक हैं। पुण्य प्राप्ति या इच्छा पूर्ति के लिए काम्य स्नान
किया जाता है। माघ और वैशाख में पुण्य के लिए प्रातरु स्नान किया जाता
है। कृष्ण-मंदिर, वाटिका तथा अन्य जनकल्यानकारी निर्माण-कार्य के पूर्व
क्रियांग स्नान किया जाता है। तेल और अंवला लगाकर मलापकर्षक का
अभ्यंग स्नान किया जाता है। सप्तमी, नवमी और पर्व की तिथियों में
आमलक प्रयोग वर्जित है। तीरथयात्रा में फल प्राप्ति के लिए किया गया
स्नान किया स्नान कहलाता है। बीमार व्यक्ति गर्म जल से स्नान कर
सकता है। यदि ऐसा न हो सके तो उसका शरीर पोंछ देना चाहिए। इसे
कपिल स्नान कहते हैं। यदि रोगी का स्नान आवश्यक हो तो कोई अन्य
व्यक्ति उसे छूकर दस बार स्नान कर सकता है।

प्रवासन का शख्त हसीना का पाठा जलना लग की पियजी
हासिल हुई है। शेख हसीना ने फिर प्रधानमंत्री पद की
शपथ ले ली है। पिछली 7 जनवरी को हुए आम चुनाव में शेख
हसीना की पार्टी अबामी लीग ने संसद की 300 में से 204 सीटें
रखे जिहादियों के नंगे नाच को रोका जाए और जो लोग वहां से
प्रवासन को मजबूर हैं, उन्हें सीमा पर ही सीमा सुरक्षा बल के

जीत लीं। इस बार 299 सीटों पर ही वोटिंग हुई थी। शेष हसीना 1996 से 2001 तक प्रधानमंत्री थीं। इसके बाद 2009 में फिर प्रधानमंत्री बनीं। तब से अब तक वे लगातार सत्ता पर काबिज हैं। बांग्लादेश में 10 प्रतिशत आबादी वाले हिन्दओं के बोट

मुरक्खा व सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बांग्ला
जुल्मो-सितम रुकते ही नहीं हैं। जब 1947

एकमुश्त अवामी लीग को गए। इनमें कई स्टेंटें तो ऐसी हैं, जहां हिन्दू वोटर 20 से 40 प्रतिशत तक है। इन्होंने खुलेआम हसीना के पक्ष में मतदान किया। अब शेख हसीना को भी सुनिश्चित करना होगा कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर होने वाले कट्टरपंथी हमले थम जाएं और वे उनके देश में सम्मान के साथ रहें। पहले देखने में आया है कि देश में अवामी पार्टी की नेता शेख हसीना के आम चुनाव में विजय के बाद हिन्दुओं पर प्रतिशोध में हमले होने लगे थे। राजशाही, जेसोर, दीनाजपुर वगैरह में हिन्दुओं पर भीषण हमले हुए। उन्हें मारा गया और उनकी संपत्ति को हानि पहुंचाई गई। शेख हसीना को अब अपने देश के हिन्दुओं को जिहादी कसाइओं का आसान ग्रास बनाने से बचाना होगा। अफसोस कि वहां पर हिन्दू बुरी तरह से पीड़ित है। मन्दिरों व हिन्दू धर्मों को खुलेआम तोड़ा व जलाया जाता है। भारत सरकार भी इस बात को सुनिश्चित करे कि बांग्लादेश की धरती पर हो बीच थे। पर अब वहां हिन्दुओं को कुल आबादी मात्र 8 फीसदी है। बांग्लादेश में शायद ही ऐसा कोई दिन बीतता हो, जब किसी हिन्दू महिला के साथ कट्टरवादी बदतमीजी न करते हों। क्या बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न की खबरें उन भारतीय सेकुलर नेताओं तक नहीं पहुंचती हैं, जो हमास के किसी आतंकी को मारने पर इजराइल को पानी पी-पीकर कोसते हैं? भारत में कुछ लोग अक्सर यह भी कहते हैं कि पाकिस्तान और भारत के राजनेता अपने स्वार्थ के लिए ही दोनों देशों के बीच खटास पैदा करते रहते हैं, जबकि दोनों देशों के आम लोग अमन चाहते हैं। एक-दूसरे से मोहब्बत करते हैं। ऐसे लोग अपने पाकिस्तान के मित्रों से यह क्यों नहीं पूछते कि पाकिस्तान में हिन्दू एक प्रतिशासन से भी कम क्यों रह गए हैं? यदि पाकिस्तान के मुस्लिम अपने यहां के हिन्दुओं से मोहब्बत करते तो वे लुट-पीटकर भारत नहीं आते? पाकिस्तान में हिन्दुओं की आबादी कम होने की सबसे



हनुमान ज
पर हम fi
१०

सच कह तो महापुरुषों का लक्ष्य कल्पा का वध करना कभी नहीं होता है। कारण कि वे किसी से शत्रुता ही नहीं रखते, तो भला वे किसी का वध करेंगे। अगर किसी को ऐसा प्रतीत होता है, कि नहीं-नहीं! ऐसा कैसे हो सकता है, कि महापुरुषों को किसी से वैर

प्रभु श्रीराम का आगमन, सब में एक, एक में सब

जे स हा दुनिया न नए साल 2024 का शुरुआत का, भारत भारतवर्ष मूल्य प्रणाली के लोकाचार को संस्थापित बनाने के लिए भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को पूरा करने की एक शानदार ऐतिहासिक परियोजना में लगा हुआ है, जिसने युगों से देश की विविध समग्रता के व्यापक

परियोजना में लगा हुआ है, जिसने युगों से देश की विविध समग्रता के व्यापक विचार को बरकरार रखा है। वास्तव में सामाजिक बंधनों को मजबूत करने के लिए प्रथानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सांस्कृतिक अस्मितावादी खोज को अब भगवान् श्रीराम के मानवीय संदेशों और मजबूत सांस्कृतिक मानदंडों के लिए उनके व्यापक रूख के माध्यम से अभिव्यक्ति मिलेगी। अयोध्या में भगवान् राम के विचार का विद्युतीय मंदिर को हिंदुओं के लिए बहुत महत्व हो सकता है और यह होना भी चाहिए, लेकिन हमें इससे आगे देखना चाहिए और मंदिर को एक स्मारक के रूप में सराहना चाहिए और भारत माता की सभ्यतागत यात्रा पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है, जिसमें हमारे भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंधों में तीव्र दरार या टूट-फूट की कभी कोई घटना नहीं हुई है। मंदिर एक अनुस्मारक है जो भारत की अपनी विशिष्ट स्वदेशी संस्कृति है जो इसकी अंतर्निहित शक्ति और ताकत का एक समृद्ध बनावट वाला स्रोत है और पश्चिमीकरण के नासमझ अनुकरण को ढूँढ़ता से खारिज किया जाना चाहिए। भारतीय सभ्यता के उपर बढ़ने से इनकार करने वाली जीवंत सभ्यता है क्योंकि यह 'वसुधैर्मक कटुंबकम' विचार की व्यापकता की शाश्वत और गौरवशाली चमक से प्रज्वलित है। इस तरह के तीव्र और प्रबल स्वभाव का राम मंदिर में पूर्ण रूप से विस्तृत एक शानदार धर्मिक आयोजन है और रहेगा। यह एक राष्ट्रीय उत्सव का आहवान करता है क्योंकि भगवान् राम उन सभी जीवों के प्रतीक हैं जिनका भारत प्रतीक है और रहेगा। रामायण और महाभारत हमारे राष्ट्रीय महाकाव्य और भारतीय मूल्य प्रणाली के मूल हैं। ऐसे में हमें भगवान् राम पर गर्व होना चाहिए और उन्हें हमारी सामाजिक मूल्य प्रणाली की आधारशिला रखने का श्रेय देना चाहिए, जिसके लिए भारत को श्रेय दिया जाता है और दुनिया भर में इसकी सराहना की जाती है। भगवान् राम का जीवन कभी भी सामान्य नहीं रहा। वह एक पुत्र के रूप में, एक पिता के रूप में, एक पति के रूप में और सबसे महत्वपूर्ण रूप से एक राजा के रूप में एक आदर्श साक्षित हुए हैं। उनके चरित्र की उत्कृष्टता ऐसी रही है कि भगवान् राम और उनके विशिष्ट आध्यात्मिक गुण सभी युगों तक मान्य रहे हैं। भगवान् राम और उनका जीवन निस्वार्थता, माता-पिता के प्रति समर्पण, साहस, न्याय, सच्चाई और धार्मिकता के मूल्यों की प्रशंसा करता है। उनका महत्व केवल एक अत्यंत पूजनीय हिंदू देवता होने तक ही सीमित नहीं है। भगवान् राम की स्पष्ट व्याख्या में कुछ समूहों या लोगों के बीच आशंका का कुछ तत्व हो सकता है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि वे यह समझने में विफल रहे हैं कि भगवान् राम अपने नैतिक दावों और मानव स्वभाव की शुद्धता की व्यावहारिक अभिव्यक्ति और मानवीय करण की सहवर्ती प्रवित्रा के कारण हमारे जीवन पर शाश्वत प्रभाव डालते हैं। यह अकारण नहीं है कि उनका नाम न केवल शिष्याचार के प्रयोजनों के लिए, बल्कि मृत्यु के समय भी लिया जाता है। भगवान् राम की संपूर्ण मूल्य प्रणाली मानवतावाद के दर्शन के इदं-गिर्द भूमिति है जो शक्ति के एक सुसमाचार के रूप में काम करेगी। जो विशेष रूप से वर्तमान समाज को बेईमानी और असंवेदनशीलता के उच्च दबाव वाले तूफानों से निपटने में सक्षम बनाएगी। भगवान् राम नामक इस आध्यात्मिक और राष्ट्रीय इकाई के बारे में वहुत कुछ सार्थक और गहराई से कहा जा सकता है। एक आदर्श व्यक्ति 'पुरुषोंतम्' के अवतार के रूप में भगवान् राम को सबसे शक्तिशाली और अद्वितीय धर्म रक्षक माना गया है। धर्म शब्द की उत्पत्ति इसके संस्कृत मूल 'धृ' से मानी जा सकती है, जिसका अर्थ है एक साथ रखना, कुछ ऐसा जो समाज को बांधता है और एक साथ रखता है। इस प्रकार भगवान् राम की शिक्षाएं और जीवन उदाहरण एक मजबूत सामाजिक आधार के रूप में कार्य कर सकते हैं और मानव स्वभाव की कमजोरियों को विफल करने में मदद कर सकते हैं। कोई भी सुरक्षित रूप से यह तर्क दे सकता है कि त्रेता युग की तुलना में किसी भी समय एक महान

देने में अधिक शक्तिशाली और निर्णायक भूमिका नहीं निभाई, एक ऐसा युग जिसने भगवान राम में एक महान आध्यात्मिक व्यक्तित्व का शानदार और भाग्यशाली उद्भव देखा। जिन्होंने एक नए दिव्य युग की स्थापना की, जिसने विभिन्न युगों के दैरान विभिन्न कारणों से अपनी चमक, जीवता और शक्ति खो दी। वह एक आदर्श राजा और एक आदर्श गृहस्थ थे जो मानवता की उच्चतम संस्कृति की रक्षा और प्रचार के प्रति समर्पित थे और इस प्रकार लोगों के जीवन को प्रबुद्ध करते थे और सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के उद्भव का मार्ग प्रशस्त करते थे, जिसके अवशेष आज भी मौजूद हैं जो हमारे सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। अब समय आ गया है जब हमें इस महान विरासत के मशाल बाहक के रूप में धार्मिकता, आशा, दृढ़ता और एकता के युग को पुनर्जीवित करने का संकल्प लेना चाहिए। राम मंदिर का निर्माण और राष्ट्र को समर्पित करने की वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पंपरा की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति उसके मजबूत समर्पण को दर्शाती है। हाँ, भव्य मंदिर का सफल और शांतिपूर्ण निर्माण वास्तव में उस राष्ट्र के लिए उत्सव का प्रतीक है, जिसने दबाव और सामाजिक संकट देखा होगा, लेकिन इनमें से कोई भी इतना शक्तिशाली साबित नहीं हुआ कि हमारी पहचान खतरे में पड़ जाए। राम मंदिर परियोजना वास्तव में हमारी आवादी के बीच विश्वास की एक सर्वोत्तम भावना पैदा करेगी और हमारे देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मसात की प्रक्रिया को मजबूत करेगी। यह भगवान राम की अजेयता और अप्रतिरोध्यता को प्रमाणित करता है।

इस तरह की भावना को फारस्क अब्दुल्ला के हालिया बयान में प्रतिश्वनित किया गया है कि भगवान राम सभी के हैं, न कि केवल हिंदुओं के। भगवान राम उन सभी आदर्शों के उज्ज्वल केंद्र हैं जिन्हें हम भारतीय संजोते हैं। जैसे अजेय शक्ति सूर्य के माध्यम से विकीर्ण होती है और संपूर्ण प्राकृतिक व्यवस्था के लिए एक विपुल जीवन समर्थन प्रणाली प्रदान करना चाहती है, वैसे ही सत्य की शक्ति है जिसके भगवान राम सच्चे और पूर्ण अवतार हैं। जब राजनीतिक संस्थाएँ, जिनका अस्तित्व एक सभ्य सामाजिक व्यवस्था में निहित है, समाज के ऐसे स्रोत से अपना भरण-पोषण प्राप्त करती हैं तो यह हमेशा उनीं चमक को प्रतिश्वनित करेगा। ऐसी वांछनीय स्थिति में राजनीतिक शासक सत्ता के लौकिक प्रलोभन और स्वार्थ को बढ़ावा देने से ऊपर उठेंगे और खुले दिल से समाज के एक समृद्ध, धार्मिक और नैतिक रूप से उन्नत राज्य की स्थापना के लिए खुद को समर्पित करेंगे, जिसमें राजनीतिक सत्ता में रुचि न रखने वाले महान लोग होंगे जो हमारे समाज के दृढ़ पथप्रदर्शक बनेंगे। हमारे सामाजिक और राजनीतिक परिवेश का ऐसा निर्माण तभी संभव होगा जब त्याग के आध्यात्मिक मूल्य राजनीतिक शासकों के आचरण का मार्गदर्शन करेंगे।

भगवान राम के जीवन के सामाजिक और शासकीय सिद्धांत, जो एक आशावादी और समग्र कायाकल्प जीवन के लिए शाश्वत दिशानिर्देश हैं, उन्हें अभ्यास में लाना होगा। मन के ऐसे मिश्रण की गंज हमारे प्रधानमंत्री की कार्य प्रथाओं में पाई जाती है जो अपने सार्वजनिक और निजी जीवन दोनों में उच्च नैतिक मानकों के प्रबल समर्थक रहे हैं। यह बहुत स्पष्ट है कि भगवान राम और उनका नैतिक रूप से अक्षुण्ण जीवन नैतिक मूल्यों की विशाल उपस्थिति से सुरुजित जीवन की एक आदर्श स्थिति का एक आदर्श उदाहरण है जो वास्तव में हमारे जीवन के लिए एस मृद्ध साबित हो सकता है। ऐसे में हमारे सार्वजनिक और निजी जीवन में ऐसे मूल्यों के प्रवेश से इनकार न केवल हमारे जीवन को दरिद्र बना देगा, बल्कि राज्य और समाज को ऐसे महत्वपूर्ण संसाधनों से भी वंचित कर देगा, जो अन्यथा व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन को सुशोभित कर देता। भगवान राम की शिक्षाओं का हिंदुओं के लिए परम धार्मिक परिणाम होना बहस का विषय नहीं है, लेकिन अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इसे हमारी संस्कृति और सभ्यता का सबसे आंतरिक घटक माना जाना चाहिए, जिसने हमेशा सामान्य व्याचारा, सामान्य उपयोग और इसी तरह के अनुप्रयोग पर गर्व किया है। न्याय के सिद्धांत सत्य और धार्मिकता वास्तव

हमें इस निष्कर्ष पर ले जाएगा कि उनका कार्यान्वयन हमें राम राज्य की उपलब्धि की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगा, जो विचार और सहानुभूति में पर्याप्त रूप से कैथोलिक होगा। सभी समुदायों और समूहों का संश्लेषण लाने की भावना में। विचार का ऐसा मिश्रण मोटी के नेतृत्व वाली सरकार की कार्य प्रथाओं और सिद्धांतों में पर्याप्त प्रतिबिंध पाता है। राम का शांत व्यक्तित्व भी हमारे लिए बहुत कुछ है। उन्होंने प्रदर्शित किया है कि उच्चतम नैतिक मूल्यों की प्रति के लिए बलिदान देने और अपने पूर्वजों के आदेशों और इच्छाओं का पालन करने की आवश्यकता होती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भगवान राम रहस्यवाद के प्रतीक थे जो पवित्रता के साथ सीधे जुड़ाव की स्थिति में थे, यह सुरक्षित रूप से कहा जा सकता है क्योंकि केवल ऐसी महान आत्मा ही मानवता को भक्ति, सत्य और न्याय के शक्तिशाली शुद्ध और पारलैंकिक सिद्धांत दे सकती थी। धर्म के दूत भगवान राम सभी उम्र के लोगों के लिए और हर व्यक्ति के लिए, जीवन की हर क्षमता में जीवन भर संदेश देते हैं। ऐसा सशक्त व्यक्तित्व, जिसका हर शब्द मानवता के लिए ज्ञान का स्रोत है, धार्मिक, जाति, पंथ और अन्य विचारों से परे सभी का है। हमारे समाज में धर्म की धारणा अलग-अलग हो सकती है और सामाजिक स्तर पर और व्यक्तिगत स्तर पर धर्म का टकराव होना स्वाभाविक है, लेकिन जैसा कि भगवान राम कहते हैं, ऐसे मतभेदों के परिणामस्वरूप सत्य की जीत होनी चाहिए और होणी चाहिए। वास्तव में कहा जा सकता है कि भगवान राम का पूरा जीवन इस सत्य की खोज में बीता, जिसका उच्चतर, श्रेष्ठ और आध्यात्मिक अर्थ है। सत्य की तीक्ष्ण शक्ति से सुसज्जित उन्होंने दुनिया के सामने यह साबित कर दिया है कि व्यापार और नफरत सभी रिश्तों का आधार होना चाहिए, जिसे वर्तमान पीढ़ी को दृढ़ता से बनाए रखना चाहिए। किसी भी उद्देश्य के प्रति प्रेम का तात्पर्य अन्यता से है। सौहार्दपूर्ण कार्यों को केवल स्नेह पर आधारित संबद्धता में ही संभव और व्यवहार्य बनाया जा सकता है जिसके परिणामस्वरूप आंदंद और उल्लास होते हैं और एक आदर्श व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन एक संभावना और वास्तविकता बन जाता है। ऐसे गुण प्रकृति में दिव्य हैं, जिनका वर्तमान युग में मिलना दुर्लभ है क्योंकि यह केवल भगवान राम जैसे पूर्ण व्यक्ति में ही रह सकते हैं। यह सच है कि समकालीन दुनिया और समाज भगवान राम जैसी दिव्य और आध्यात्मिक सत्ता की कल्पना केवल उनके गुणों के माध्यम से ही उत्पन्न कर सकता है। उसे अमूर्त रूप में महसूस और अनुभव नहीं किया जा सकता। भगवान राम का जीवन सफल और सकारात्मक है, जो सत्य, धैर्य और सदाचार जैसी सशक्त प्रतिभाओं के साथ शक्ति, वासना और बेर्केमानी की बाधाओं को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध एक असाधारण और दिव्य व्यक्ति का एक आदर्श उदाहरण है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि ब्रह्मांड में निहित रचनात्मक और राजसी क्षमता हर व्यक्ति में प्रतिबिवित होती है, लेकिन इसकी पूर्ण अभिव्यक्ति पूर्ण पुरुष, भगवान राम में पाई जाती है, जिनमें ब्रह्मांड के सभी पूर्ण गुण जन्मजात हैं। ऐसे पूर्ण पुरुष को ब्रह्मांड का कारण माना जा सकता है, जो इस रहस्योदादान का संकेत देता है कि भगवान जानने के लिए उत्सुक हैं और यह भगवान राम के माध्यम से है, जो धर्म के अंतिम प्रतीक हैं और इसलिए पूर्णता के हैं, कि हम सर्वशक्तिमान को जान सकते हैं। इसलिए हमें उनके मूल्यों को वास्तविक व्यवहार में लाकर उनसे प्रेम करना चाहिए और उनके बदले में उनसे प्रेम पाना चाहिए। दुनिया मानवता के लिए बनाई गई है और इसलिए इसकी अंतर्निहित पवित्रता और अच्छाई की रक्षा और संरक्षण करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। यह तभी साकार हो सकता है जब हम अपने भीतर उन नैतिक मूल्यों और गुणों को आत्मसात करें जो भगवान राम की विशेषताएँ हैं। यह बहुत दूर की बात लग सकती है, लेकिन राम मंदिर का संस्थागतकरण एक अनुस्मारक है कि हम सभी को एक नए समाज, एक स्वर्णिम समाज के पुनर्निर्माण का संकल्प लेना चाहिए जहां भाईचारा, प्रेम, सद्भाव और धर्मपरायणता पहले होणी और संकीर्ण विचारों पर हावी होगी। -प्रोफेसर शेख अकील अहमद

कित्सकों का कहना अतिरिक्त चर्बी आपे

मर्ट का मात्रा का कम कर सकता है और अतिरिक्त वजन मस्तिष्क के विशिष्ट क्षेत्रों में सिकुड़न से जुड़ा होता है। इसके साथ ही मोटापे के रोगियों में हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और डिस्लिपिडेमिया एक बार जब किसी व्यक्ति का कद बढ़ा ना बढ़ हो जाता है, तो उसके अंगों का बढ़ना बंद हो जाता है और केवल मांसपेशियां ही एक हद तक निर्माण कर पाती हैं। वसा का जामाव एकमात्र कारण है जो उस चरण के बाद शरीर

का भा खतरा बढ़ जाता है। हाटकयर फाउंडशन (एचसीएफआई) के अध्यक्ष डॉ. के.के. अग्रवाल ने कहा, सामान्य वजन का मोटापा हमारे देश में एक नई महामारी है। इसका एक प्रमुख कारण आज की जीवनशैली है। ऑन-द-गो और तेज-रफतार जीवन का मतलब है कि लोग नाश्ते को छोड़ देते हैं और बाकी पूरा दिन अस्वास्थ्यकर, विविक फिक्स रिफाइंड कार्बस वाला भोजन खाते हैं। पेट के चारों ओर एक इंच अतिरिक्त वसा हृदय रोग की संभावना को 1.5 गुना बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा, पुरुषों में 90 सेमी और महिलाओं में 80 सेंटीमीटर से अधिक का उदर रोग एक संकेत है कि व्यक्ति भवियत में दिल के दौर की चपेट में आ सकता है। पुरुषों में 20 वर्ष की आयु के बाद और महिलाओं में 18 वर्ष की आयु के बाद पांच किलोग्राम से अधिक वजन नहीं बढ़ना चाहिए। 50 वर्ष की आयु के बाद के बजन का बढ़ाता है। उन्होंने कहा, जा लाग माट है, उन्हें परिकृत कांबोहाइड्रेट के सेवन को सीमित करने का लक्ष्य रखना चाहिए क्योंकि वे रक्त शक्तिका क्षेत्र और इंसुलिन के उत्पादन को बढ़ाते हैं। इंसुलिन प्रतिरोध वाले लोगों में, इस वृद्धि से आगे वजन बढ़ सकता है। इसके अलावा, हर दिन लागभग 30 से 45 मिनट शारीरिक गतिविधि करने का लक्ष्य रखें, सप्ताह में पांच बार। डॉ. अग्रवाल ने कुछ सुझाव देते हुए कहा, हर दिन व्यायाम करें और स्वस्थ आहार का सेवन करें, सभी सात रंगों और छह स्वादों का मिश्रण भोजन में शामिल करें। किसी भी रूप में रिफाइंड चीनी का सेवन न करें, क्योंकि यह रक्त प्रवाह में अधिक आसानी से अवशोषित हो सकती है और आगे की जटिलताओं का कारण बन सकती है। ध्यान और योग जैसी गतिविधियों के माध्यम से तनाव को कम करें।

ब्लैक नेक स्टार्क को देखने के लिए बेहतरीन है मर्ल्यानाम हर्ड गैंट्स थर्गी

करीब लाने का काम करता है। अलग-अलग आकार और रंग-बिंबिंगे इन पक्षियों को देखकर एक तरफ जहां सुखद अनुभव होता है वहाँ दूसरी ओर आश्चर्य भी। सर्दियों का मौसम बड़े सेंचुरी धूमने के होता है। इसके साथ सैकड़ों की संख्या में पैरिड स्टार्क और दूसरी स्थानीय प्रजातियों के पक्षी भी यहां प्रजनन करते हैं। ग्रे लेग गुज, बॉर हैडिड गुड, यूरोशियन कूट, गायेनी, कॉमन टील, पीन टैल, यूरोशियन

लिए बेहतरीन माना जाता है क्योंकि उस दौरान देसी ही नहीं विदेशी पक्षियों का भी दीदार किया जा सकता है। सर्दी का मौसम शुरू होते ही वन्य प्राणी विहार और भी दूसरे जल भराव वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू हो जाता है। दरअसल ये तमाम क्षेत्र प्रवासी पक्षियों के परिचमी मार्ग पर पड़ते हैं। सुल्तानपुर बर्ड सेंचुरी-सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान गुरुग्राम के सुल्तानपुर गांव में स्थित है। 1.5 वर्ग किमी में फैला ये राष्ट्रीय उद्यान यह प्रवासी पक्षियों के लिए जाना जाता है। यहां हजारों पर्यटक और पक्षी प्रेमी पहुंचकर पक्षियों के लिए आया जाता है।



इटली पर बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी



चंगी। पहला मैच गंवाने के बाद दूसरे मैच में जीत दर्ज करके अपना अभियान पटरी पर लाने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम दूसरा मैच में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर परिसर प्रैरिस औलंपिक खेलों के सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारत की टूर्नामेंट में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे पूल बी के अपने पहले मैच में 12वें रैंकिंग वाले अमेरिका से 0-1 से हार का समान करना पड़ा। सविता पूर्णिया की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने हालांकि अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर परिसर प्रैरिस औलंपिक खेलों के तीन टीमों में छठे स्थान पर काबिज भारत की टूर्नामेंट में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे पूल बी के अपने पहले मैच में 12वें रैंकिंग वाले अमेरिका से 0-1 से हार का समान करना पड़ा। सविता पूर्णिया की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने हालांकि अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर परिसर प्रैरिस औलंपिक खेलों के सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को काम पर रखा। एशियाई खेलों के जरिए खालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय टीम पर आप साल होने वाले औलंपिक खेलों में जगह बनाने का यह अद्वितीय मौका है। इस टूर्नामेंट में शीर्ष प

रहने वाली तीन टीम परिसर प्रैरिस औलंपिक के लिए खिलाफ करेगी। अमेरिका दो मैच में जीत दर्ज करके पूल बी में शीर्ष पर है जबकि भारत और न्यूजीलैंड के तीन टीम अंतर्गत हैं। गोल अंतर में हालांकि भारतीय टीम न्यूजीलैंड से पीछे है। 20वें नंबर की इटली की टीम के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। वोने पूल से पहले दो स्थान पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल युवराज को खेले

जाएंगे। भारतीय टीम ने आगर अमेरिका के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में लक्ष प्रस्तर किया तो न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले मैच में उसने शानदार खेल दिखाया। टीम अब इटली के खिलाफ अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम में शीर्ष परिवर्तन के बिश्व में भारत को चौथा अंतर्गत और अंग्रेजी परिवर्तन में शानदार तालमेंट दिखाया। कोच यानेक शोपैन को उम्मीद रखेंगी कि टीम अगले मैच में सतर्क रहने की हिंदूपत देते हुए कहा, “यह मैच कड़ा हो सकता है क्योंकि इटली की टीम भी अंजेटीना की तरह साधासिक खेल खेलती है। हमें धैर्य बनाए रखना होगा। हमें हाल में उसनी टीम कार्नर को गोल में बदलना होगा।” भारत को चौथा अंतर्गत करने के लिए इस टीम को आगर 15 फरवरी, 2024 से होगा। बेसलाइन वर्चस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के बाद खेलना है। इससे उसके समान तालमेंट स्पष्ट होगा कि उसे किन्तन अंतर से जीत दर्ज करनी है।

फआईएच ओलंपिक खालीफायर से अंतरराष्ट्रीय हॉकी में वापसी का लुक्फ उठा रही है ब्लूटी डुंगडुंग

एजेंसी



चंगी। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफीलर ब्लूटी डुंगडुंग की मौजूदा एफआईएच हॉकी ओलंपिक खालीफायर रांची 2024 में राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। मेजबान भारत, जिसे पूल बी में रखा गया है, ने रिविटर को प्रतियोगिता के अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड पर 3-1 से जेरोर जीत हासिल की, जिसमें उदिता और संगीता कुमारी के साथ ब्लूटी डुंगडुंग ने भी एक गोल किया। शनिवार को अपने पहले मैच में सुन्यकृत राज्य अमेरिका से 0-1 से हार के बाद, ब्लैक स्टिक्स पर महत्वपूर्ण जीत ने भारत को 16 जनवरी की इटली के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम पूल गेम से पहले आत्मविश्वास बढ़ावा है। ब्लूटी, जिहोने वापसी अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के बाद खेलना है। इससे उसके समान तालमेंट स्पष्ट होगा कि उसे किन्तन अंतर से जीत दर्ज करनी है।

रिविटर को भारत की जीत में योगदान देने में सक्षम रहीं। उन्होंने कहा, “मैं टीम में अपनी वापसी का अनंद ले रही हूं। मुझे टीम का शुरुआत का शुरूआत करने वाली थी और यह लगभग 1700 युवाओं ने हिस्सा लिया। इनमें युवतियों की संख्या अधिक रही। वाहीनी सुमालवर पत्र जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिविधियों को 60 मीटर दूर एक मीटर चौड़े लक्ष पर निशाना लगाना

होता है। तीरदाज समूहों में लक्ष को तीर से भेदते हैं। प्रत्येक तीरदाज को दो तीर दिए जाते हैं और लक्ष पर निशाना साधने के लिए उनके पास दो मिनट का समय होता है। जो लोग दोनों तीरों से लक्ष पर प्रहर करते हैं वे दूसरे दौर में आगे बढ़ते हैं। यह पारंपरिक आयोजन 1600 के दशक के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। व्योटों को ब्लायू टूर्नामेंट में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल युवराज को खेले

जाएंगे। भारतीय टीम ने आगर अमेरिका के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में लक्ष प्रस्तर किया तो न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले मैच में उसने शानदार खेल दिखाया। टीम अब इटली के खिलाफ अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम में शीर्ष परिवर्तन के बीच होने वाले मैच के बाद खेलना होगा। हमें हाल में उसनी टीम कार्नर को गोल में बदलना होगा।” भारत को चौथा अंतर्गत करने के लिए इस टीम को आगर 15 फरवरी, 2024 से होगा। बेसलाइन वर्चस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के बाद खेलना है। इससे उसके समान तालमेंट स्पष्ट होगा कि उसे किन्तन अंतर से जीत दर्ज करनी है।

चंगी। भारतीय महिला हॉकी टीम की टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

भारतीय ट



शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पीएम से की मुलाकात, किताब भेंट की, बोलीं-

'बाबा के लिए कम नहीं हुआ पीएम का समान'

एंजेसी

नई दिल्ली। दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री को अपनी किताब 'इन प्रणब माय फार' ए डॉटर रिमेंडर्स' की प्रति भेंट की। इसके बाद शर्मिष्ठा ने कहा कि उनके पिता के लिए प्रधानमंत्री का समान कम नहीं हुआ है।

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की तरीकों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया है। इसके साथ ही अभार जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मुझे मेरी किताब की प्रति भेंट करने के लिए बुलाया था। वह मेरे प्रति भी उन्हें ही दयवत् थे, जिनें वे हमेशा रखे हैं। बाबा के लिए भी उनका समान कम नहीं हुआ है। तस्वीरों में उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के साथ



बातचीत करते देखा जा सकता है। कंग्रेस की पूर्व प्रवक्ता शर्मिष्ठा ने अपनी किताब में अपने पिता के साथ की चर्टनाओं को बाद किया है। किताब में उन्होंने दाव किया है कि प्रणब मुखर्जी को (कंग्रेस संसाद) राहुल गांधी को नेतृत्व कौशल पर संदेह था और वे उन्हें राजनीति के लिए परिपक्व नहीं

मानते थे। इससे पहले शर्मिष्ठा ने एक इंटरव्यू में राहुल गांधी को 'बेबढ़ विनप्र' और सबालों से भरा हुआ व्यक्ति बताया था। लेकिन, वह भी कहा था कि उन्हें एक राजनेता के रूप में परिपक्व होना चाही है। किताब के मुताबिक, प्रणब मुखर्जी ने राहुल गांधी के नेतृत्व कौशल पर संदेह था और वे उन्हें राजनीति के लिए परिपक्व नहीं

न करने की क्षमता पर भी सबाल उठाया था। उनके मुताबिक, एक दिन प्रणब मुखर्जी मुगल गार्डन (अब अमृत गार्डन) में सुबह की सौर के लिए निकले थे। राहुल उनसे मिलने आए। प्रणब को अपनी सुबह की सौर और पूजा के दौरान किसी भी तरह की रुकाव का पर्यन्द नहीं थी। फिर भी राहुल ने उनसे मिलने का फैसला किया। दरअसल, राहुल गांधी की शाम को प्रणब से मुलाकात की योजना थी। लेकिन, उनके कार्यालय ने प्रणब को बताया कि बैठक सुबह के समय होनी थी। जब मुझे (शर्मिष्ठा) एक अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) से घटना के बारे में पता चला तो मैंने अपने पिता से पूछा। इस पर उन्होंने व्यापक अदाव में टिप्पणी की कि अगर राहुल का कार्यालय 'एम्प' और 'पीएम' के बीच अंतर नहीं कर सकता है, तो वे एक दिन पीएमओ (प्रधानमंत्री) कैसे चला सकते हैं?

तकनीकी प्रगति भारतीय सौम्य कूटनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा : धनखड़

एंजेसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उद्योग घरनों से अलायुषिक प्रौद्योगिकों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए संस्थानों का सहयोग करने का आलोचना करते हुए कहा है कि तकनीकी प्रगति भारतीय सौम्य कूटनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

श्री धनखड़ ने सोमवार को भारतीय पौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अयोजित समारोह को बढ़ावा देने के लिए संस्थानों का सहयोग करने का आलोचना करते हुए कहा है कि उनकी प्रगति भारतीय सौम्य कूटनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।



जोखिम में कमी और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकों का लाभ उठाया जाना चाहिए। आईएमडी की विशेषज्ञता और बंगलादेश तथा यांगांग की सराहना का उल्लेख करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि एक प्रमुख सौम्य कूटनीति के उपकरण के रूप में तकनीकी प्रतिष्ठान के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि एक प्रभाव को करने के लिए उनकी प्रतिष्ठान देशों में अनुसंधान युद्ध करने और वित्त देशों तक करने, अपनी मौसम और जलवायु सेवाओं का विस्तार करने, हम न केवल क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत करते हैं हैं। वर्तमान की जिसमें विशेषज्ञता भारत वर्ष के निकटवर्ती इत्तिहास में पहली बार हो रही है। यह अपने आप में विशिष्ट होगा। श्री राय ने बताया कि आपदा के लिए उनकी विशेषज्ञता को लाभ उठाया जाना चाहिए।

जोखिम में कमी और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

आईएमडी की विशेषज्ञता और बंगलादेश तथा यांगांग की सराहना का उल्लेख करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि एक प्रमुख सौम्य कूटनीति के उपकरण के रूप में तकनीकी प्रतिष्ठान के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि एक प्रभाव को करने के लिए उनकी प्रतिष्ठान देशों में अनुसंधान युद्ध करने और वित्त देशों तक करने, अपनी मौसम और जलवायु सेवाओं का विस्तार करने, हम न केवल क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत करते हैं हैं। वर्तमान की जिसमें विशेषज्ञता भारत वर्ष के निकटवर्ती इत्तिहास में पहली बार हो रही है। यह अपने आप में विशिष्ट होगा। श्री राय ने बताया कि आपदा के लिए उनकी विशेषज्ञता को लाभ उठाया जाना चाहिए।

जोखिम में कमी और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

आईएमडी की विशेषज्ञता और बंगलादेश तथा यांगांग की सराहना का उल्लेख करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि एक प्रमुख सौम्य कूटनीति के उपकरण के रूप में तकनीकी प्रतिष्ठान के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि एक प्रभाव को करने के लिए उनकी प्रतिष्ठान देशों में अनुसंधान युद्ध करने और वित्त देशों तक करने, अपनी मौसम और जलवायु सेवाओं का विस्तार करने, हम न केवल क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत करते हैं हैं। वर्तमान की जिसमें विशेषज्ञता भारत वर्ष के निकटवर्ती इत्तिहास में पहली बार हो रही है। यह अपने आप में विशिष्ट होगा। श्री राय ने बताया कि आपदा के लिए उनकी विशेषज्ञता को लाभ उठाया जाना चाहिए।

जोखिम में कमी और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

आईएमडी की विशेषज्ञता और बंगलादेश तथा यांगांग की सराहना का उल्लेख करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि एक प्रमुख सौम्य कूटनीति के उपकरण के रूप में तकनीकी प्रतिष्ठान के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि एक प्रभाव को करने के लिए उनकी प्रतिष्ठान देशों में अनुसंधान युद्ध करने और वित्त देशों तक करने, अपनी मौसम और जलवायु सेवाओं का विस्तार करने, हम न केवल क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत करते हैं हैं। वर्तमान की जिसमें विशेषज्ञता भारत वर्ष के निकटवर्ती इत्तिहास में पहली बार हो रही है। यह अपने आप में विशिष्ट होगा। श्री राय ने बताया कि आपदा के लिए उनकी विशेषज्ञता को लाभ उठाया जाना चाहिए।

जोखिम में कमी और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

आईएमडी की विशेषज्ञता और बंगलादेश तथा यांगांग की सराहना का उल्लेख करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि एक प्रमुख सौम्य कूटनीति के उपकरण के रूप में तकनीकी प्रतिष्ठान के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि एक प्रभाव को करने के लिए उनकी प्रतिष्ठान देशों में अनुसंधान युद्ध करने और वित्त देशों तक करने, अपनी मौसम और जलवायु सेवाओं का विस्तार करने, हम न केवल क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत करते हैं हैं। वर्तमान की जिसमें विशेषज्ञता भारत वर्ष के निकटवर्ती इत्तिहास में पहली बार हो रही है। यह अपने आप में विशिष्ट होगा। श्री राय ने बताया कि आपदा के लिए उनकी विशेषज्ञता को लाभ उठाया जाना चाहिए।

जोखिम में कमी और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

आईएमडी की विशेषज्ञता और बंगलादेश तथा यांगांग की सराहना का उल्लेख करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि एक प्रमुख सौम्य कूटनीति के उपकरण के रूप में तकनीकी प्रतिष्ठान के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि एक प्रभाव को करने के लिए उनकी प्रतिष्ठान देशों में अनुसंधान युद्ध करने और वित्त देशों तक करने, अपनी मौसम और जलवायु सेवाओं का विस्तार करने, हम न केवल क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत करते हैं हैं। वर्तमान की जिसमें विशेषज्ञता भारत वर्ष के निकटवर्ती इत्तिहास में पहली बार हो रही है। यह अपने आप में विशिष्ट होगा। श्री राय ने बताया कि आपदा के लिए उनकी विशेषज्ञता को लाभ उठाया जाना चाहिए।

जोखिम में कमी और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

आईएमडी की विशेषज्ञता और बंगलादेश तथा यांगांग की सराहना का उल्लेख करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि एक प्रमुख सौम्य कूटनीति के उपकरण के रूप में तकनीकी प्रतिष्ठान के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि एक प्रभाव को करने के लिए उनकी प्रतिष्ठान देशों में अनुसंधान युद्ध करने और वित्त देशों तक करने, अपनी मौसम और जलवायु सेवाओं का विस्तार करने, हम न केवल क्षेत्रीय संबंधो

